परिशिष्ट सारणी 1: राज्य सरकारों के प्रमुख घाटा संकेतक

(राशि करोड़ रुपये में)

वर्ष	सकल राजकोषीय घाटा	राजस्व घाटा	पारंपरिक घाटा	प्राथमिक घाटा	भा.रि.बैंक से राज्यों को निवल ऋण
1	2	3	4	5	6
1990-91	18,787	5,309	-72	10,132	420
	(3.3)	(0.9)	(-0.0)	(1.8)	(0.1)
1991-92	18,900	5,651	156	7,956	-340
	(2.9)	(0.9)	(0.0)	(1.2)	(-0.1)
1992-93	20,891	5,114	-1,829	7,681	176
	(2.8)	(0.7)	(-0.2)	(1.0)	(0.0)
1993-94	20,364	3,872	363	4,564	591
	(2.4)	(0.4)	(0.0)	(0.5)	(0.1)
1994-95	27,308	6,706	-4,346	7,895	48
	(2.7)	(0.7)	(-0.4)	(0.8)	(0.0)
1995-96	30,870	8,620	-2,680	9,031	16
	(2.6)	(0.7)	(-0.2)	(0.8)	(0.0)
1996-97	36,561	16,878	7,202	11,175	898
	(2.7)	(1.2)	(0.5)	(0.8)	(0.1)
1997-98	43,474	17,492	-1,803	13,675	1,543
	(2.8)	(1.1)	(-0.1)	(0.9)	(0.1)
1998-99	73,295	44,462	3,268	37,854	5,579
	(4.2)	(2.5)	(0.2)	(2.2)	(0.3)
1999-00	90,099	54,548	3,125	45,458	1,312
	(4.6)	(2.8)	(0.2)	(2.3)	(0.1)
2000-01	87,923	55,316	-2,379	36,937	-1,092
	(4.2)	(2.6)	(-0.1)	(1.8)	(-0.1)
2001-02	94,260	60,398	3,545	32,665	3,451
	(4.1)	(2.7)	(0.2)	(1.4)	(0.2)
2002-03	99,726	57,179	-4,291	30,699	-3,100
	(4.1)	(2.3)	(-0.2)	(1.3)	(-0.1)
2003-04	1,20,631	63,407	-526	40,235	293
	(4.4)	(2.3)	(-0.0)	(1.5)	(0.0)
2004-05	1,07,774	39,158	-10,232	21,353	-2,705
	(3.3)	(1.2)	(-0.3)	(0.7)	(-0.1)
2005-06	90,084	7,013	-33,947	6,060	2,425
	(2.4)	(0.2)	(-0.9)	(0.2)	(0.1)
2006-07	77,508	-24,857	-16,324	-15,672	640
	(1.8)	(-0.6)	(-0.4)	(-0.4)	(0.0)
2007-08	75,455	-42,943	-13,410	-24,376	1,140
	(1.5)	(-0.9)	(-0.3)	(-0.5)	(0.0)
2008-09	1,34,589	-12,672	-8,959	31,634	-1,609
	(2.4)	(-0.2)	(-0.2)	(0.6)	(-0.0)
2009-10 (बअ)	1,99,510	32,295	25,821	83,083	–
	(3.0)	(0.5)	(0.4)	(1.3)	–
2009-10 (संअ)	2,16,101	46,663	35,889	1,00,197	186
	(3.3)	(0.7)	(0.5)	(1.5)	(0.0)
2010-11 (बअ)	1,98,539	24,370	18,687	69,883	–
	(2.5)	(0.3)	(0.2)	(0.9)	–

संअ: संशोधित अनुमान. बअ: बजट अनुमान. '–' : उपलब्ध नहीं है।

नोट : 1. ऋणात्मक चिह्न (-) घाटा संकेतकों में अधिशेष दर्शाता है।

2. पारंपरिक घाटा कुल संवितरणों और कुल प्राप्तियों के बीच का अंतर दर्शाता है। कुल प्राप्तियों में शामिल हैं: (i) राजस्व प्राप्तियां, (ii), पूंजीगत प्राप्तियां, अर्थोपाय अग्रिम और भारतीय रिजर्व बैंक से ओवरड्राफ्ट को छोड़कर, और (iii) लोक लेखा के अंतर्गत शुद्ध प्राप्तियां, नकद शेष निवेश खाता से निकासी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ जमा को छोड़कर। कुल संवितरणों में शामिल हैं: (i) राजस्व व्यय और (ii) पूंजीगत संवितरण, अर्थोपाय अग्रिम और भारतीय रिजर्व बैंक से लिए गए ओवरड्राफ्ट की चुकौती को छोड़कर।

3. राजस्व घाटा राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर है।

4. सकल राजकोषीय घाटा कुल संवितरण (ऋण चुकौतियों को घटाकर) से राजस्व प्राप्तियों, गैर ऋण पूंजी प्राप्तियों तथा ऋण और अग्रिम की वसूली को घटाकर है।

5. प्राथमिक घाटा सकल राजकोषीय घाटा से ब्याज भुगतान को घटाकर है।

6. कोष्ठक के आंकड़े सकल देशी उत्पाद के प्रतिशत हैं।

7. 1990-91 से 2008-09 तक के जम्मू और कश्मीर के आंकड़े तथा 2001-02 से 2008-09 तक के झारखंड के आंकड़े संशोधित अनुमानों से संबंधित हैं।

8. राज्य सरकारों को रिजर्व बैंक का शुद्ध ऋण रिजर्व बैंक के पास उनकी वृद्धिशील जमा को घटाकर रिजर्व बैंक द्वारा उन्हें दिए गए ऋण और अग्रिम में घटबढ़ को संदर्भित करता है।

स्रोत : राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज़ और रिजर्व बैंक के अभिलेख।